शहाल

कार्यक्रम में प्रमुख
दद्दा, शैलेंद्र सिंह,
रामजीवन राजपूत,
आयूष सिंह
ठी, राकेश मिश्रा,

कौशल विकास योजनान्तर्गत लघु जैविक कृषकों का प्रशिक्षण प्रारंभ

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में कौशल विकास योजना अंतर्गत लघु जैविक कृषकों का तीस दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने बताया कि कौशल विकास योजना को यूथ ट्रेनिंग प्रोग्राम के नाम से भी जाना जाता है। इसके अंतर्गत आप लोगों को एक माह तक लघु जैविक कृषक विषय पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। तत्पश्चात मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने जैविक खेती का परिचय एवं महत्व विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला।उन्होंने बताया कि जैविक खेती कृषि की वह विधि है जो संश्लेषित उर्वरकों एवं संश्लेषित कीटनाशकों के न्यूनतम से न्यूनतम प्रयोग पर आधारित है। उन्होंने कहा कि भूमि की उर्वरा शक्ति को बचाए रखने के लिए फसल चक्र का का समावेश आवश्यक है। डॉक्टर खान ने कहा कि सन 1990 के बाद से विश्व में जैविक उत्पादों का बाजार काफी बढ़ा है। जैविक खेती में कौशल दक्षता हासिल कर स्वावलंबी हों तथा स्वयं का रोजगार स्थापित करें ।इस अवसर पर डॉ अरुण कुमार सिंह,डॉ राजेश राय, डॉ शशिकांत, डॉक्टर निमिषा अवस्थी सहित 25 प्रशिक्षार्थी उपस्थित रहे।

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

196 लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, बुधवार, 19 जुलाई, 2023 पृष्ठः 8 मूल्यः

कौशल विकास योजनान्तर्गत लघु जैविक कृषकों का प्रशिक्षण प्रारंभ

अनवर अशरफ । कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में कौशल विकास योजना अंतर्गत लघु जैविक कृषकों का तीस दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने बताया कि कौशल विकास योजना को यूथ ट्रेनिंग प्रोग्राम के नाम से भी जाना जाता है। इसके अंतर्गत आप लोगों को एक माह तक लघु जैविक कृषक विषय पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। तत्पश्चात मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने जैविक खेती का परिचय एवं महत्व विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला ।उन्होंने बताया कि जैविक खेती कृषि की वह विधि है जो संश्लेषित उर्वरकों एवं संश्लेषित कीटनाशकों के न्यूनतम से न्यूनतम प्रयोग पर आधारित है। उन्होंने कहा कि भूमि की उर्वरा शक्ति को बचाए रखने के लिए फसल चक्र का का समावेश आवश्यक है। डॉक्टर खान ने कहा कि सन 1990 के बाद से विश्व में जैविक उत्पादों का बाजार काफी बढ़ा है। जैविक खेती में कौशल दक्षता हासिल कर स्वावलंबी हों तथा स्वयं का रोजगार स्थापित करें ।इस अवसर पर डॉ अरुण कुमार सिंह,डॉ राजेश राय, डॉ शशिकांत, डॉक्टर निमिषा अवस्थी सहित 25 प्रशिक्षार्थी उपस्थित रहे।

कानपुरः कौशल विकास योजनान्तर्गत लघु जैविक कृषकों का प्रशिक्षण हुआ प्रारंभ

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में कौशल विकास योजना अंतर्गत लघु जैविक कृषकों का तीस दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने बताया कि कौशल विकास योजना को यूथ ट्रेनिंग प्रोग्राम के नाम से भी जाना जाता है। इसके अंतर्गत आप लोगों को एक माह तक लघु जैविक कृषक विषय पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। तत्पश्चात मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने जैविक खेती का परिचय एवं महत्व विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जैविक खेती कृषि की वह विधि है जो संश्लेषित उर्वरकों एवं संश्लेषित कीटनाशकों के न्यूनतम से न्यूनतम प्रयोग पर आधारित है। उन्होंने कहा कि भूमि की उर्वरा शक्ति को बचाए रखने के लिए फसल चक्र का का समावेश आवश्यक है। डॉक्टर खान ने कहा कि सन 1990 के बाद से विश्व में जैविक उत्पादों का बाजार काफी बढ़ा है। जैविक खेती में कौशल दक्षता हासिल कर स्वावलंबी हों तथा स्वयं का रोजगार स्थापित करें इस अवसर पर डॉ अरुण कुमार सिंह, डॉ राजेश राय, डॉ शशिकांत, डॉक्टर निमिषा अवस्थी सहित 25 प्रशिक्षार्थी उपस्थित रहे।

प्रश्न पहर

सब्जियों की फसल को कीट से बचाव के लिए पूछें सवाल

मानसून सीजन में सब्जियों की फसलों को अधिक वर्षा और कीट से होने वाले नुकसान से बचाव सहित कृषि संबंधी प्रश्नों का उत्तर देने के लिए सीएसए कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग के शाकभाजी सस्यविद डा. राजीव बुधवार को दैनिक जागरण कार्यालय, सर्वोदय नगर में उपस्थित रहेंगे। सब्जियों की खेती के तरीके व खराब होने से बचाव के टिप्स जानने के लिए आप सीधे फोन कर सकते हैं।

डा. राजीव, सब्जी विज्ञान विभाग, सीएसए ● स्वयं

दिनांक : 19 जुलाई, बुधवार

समय : दोपहर 12 से 1 बजे तक

फोन नंबर : 0512-2234110

0512-2334372

अमर उजाला कानपुर 19/07/2023

जैविक खेती के फायदे बताए

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर में कौशल विकास योजना के अंतर्गत किसानों का एक माह का प्रशिक्षण मंगलवार को शुरू हुआ। केंद्र प्रभारी डॉ. एके सिंह और मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने जैविक खेती के बारे में जानकारी दी। बताया कि जैविक संश्लेषित उर्वरकों एवं संश्लेषित कीटनाशकों के कम से कम प्रयोग पर आधारित है। इसका प्रयोग कर आय को बढ़ाया जा सकता है। इस मौके पर डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. राजेश राय, डॉ. शशिकांत मौजूद रहे। (संवाद)

लघु जैविक कृषकों को दिया गया प्रशिक्षण

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 18 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में कौशल विकास योजना अंतर्गत लघु जैविक कृषकों का तीस दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने बताया कि कौशल विकास योजना को यूथ ट्रेनिंग प्रोग्राम के नाम से भी जाना जाता है। इसके अंतर्गत आप लोगों को एक माह तक लघु जैविक कृषक विषय पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। तत्पश्चात मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने जैविक खेती का परिचय एवं महत्व विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जैविक खेती कृषि की वह विधि है जो संश्लेषित उर्वरकों एवं संश्लेषित कीटनाशकों के न्यूनतम से न्यूनतम प्रयोग पर आधारित है। उन्होंने कहा कि भूमि की उर्वरा शक्ति को बचाए रखने के लिए फसल चक्र का का समावेश आवश्यक है। डॉ खान ने कहा कि सन 1990 के बाद से विश्व में जैविक उत्पादों का बाजार काफी बढ़ा है।

हिंदुस्तान कानपुर 19/07/2023

लघु जैविक किसानों को दिया गया प्रशिक्षण

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर में लघु जैविक किसानों का तीस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। केंद्र के प्रभारी डॉ. एके सिंह ने बताया कि कौशल विकास योजना के तहत किसानों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने जैविक खेती के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. राजेश राय, डॉ. शशिकांत मौजूद रहे।